उपयुक्त उत्पाद:

वृद्धि एवं समावेशपूर्ण वर्ष

संवहनीय वित्तीय समाधान और विविध क्षेत्रों को सशक्त करना

यह अध्याय, वित्तीय समृद्धि और पहुँच को बढ़ावा देने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता के विविध पहलुओं को दर्शाता हैं. वित्त वर्ष 2022-23 ने प्रमुख क्षेत्रों -खुदरा ऋण, कार्पोरेट ऋण, कृषि और एमएसएमई अग्रिमों में सुदृढ़ वृद्धि देखी गई है, जो कि स्थिरता और डिजिटलीकरण के प्रति हमारा समर्पण दिखाता है. सांविधिक लक्ष्यों को पार कर और कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर हमने वित्तीय समावेशन पर हमारा ध्यान केंद्रित किया है. यह अध्याय आर्थिक वृद्धि को त्वरित करने हेतु हमारे अनुकूलित दृष्टिकोण को दर्शाता है और हमारे ग्राहकों को वित्तपोषण में वृद्धि करते हुए डिजिटल सरलता द्वारा चालित स्थिरता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का हमारे वार्षिक थीम को प्राप्त करने में सहायक होता है.

पहल	यूएमएसडीजी	जीआरआई मानक	कार्यनीतिक स्तंभ	महत्वपूर्ण पहलू
खुदरा ऋण वृद्धि	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	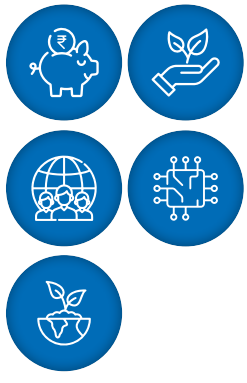	23, 24, 25
उद्यम ऋण	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव		23, 24, 25
कृषि अग्रिम	2 ZERO HUNGER, 8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव		13, 23, 24, 25, 39
एमएसएमई में उन्नति	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH, 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव		13, 23, 24, 25, 39
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम	1 NO POVERTY	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव		13, 23, 24, 25, 39

खुदरा ऋण

पहल	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	भौतिकवादी परिप्रेक्ष्य
खुदरा ऋण वृद्धि	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH	जीआरआई 203:अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	23, 24, 25

हमारे ग्राहकों के वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रतिबद्धता से के अनुरूप हमारे खुदरा ऋण संविभाग में उत्साहजनक वृद्धि देखी जा रही है जो हमारे ग्राहकों के लिए सतत आर्थिक विकास और भलाई के लिए निरंतर रूप से योगदान करता रहा है.

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हमने हमारे बकाया खुदरा ऋण में 17.19% की वर्ष दर वर्ष वृद्धि देखी है. यह संतोष जनक वृद्धि, न केवल बैंकिग और वित्तीय सेवाओं को जनसंख्या के व्यापक वर्गों तक पहुँचाने का प्रतीक है बल्कि वार्षिक रिपोर्ट का हमारा विषय- "डिजिटल कौशल के माध्यम से संवहनीयता हेतु प्रतिबद्ध," के साथ प्रतिध्वनित होता है.

निम्न तालिका खुदरा ऋण के अंतर्गत वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्शाता है:

योजना	वर्ष दर वर्ष वृद्धि %
आवास	10.84
माईल्स	30.63
शिक्षा	24.10
मोर्टगेज	13.49
वैयक्तिक	91.54
अन्य	10.71
कुल खुदरा अग्रिम (पीडब्ल्यूओ सहित)	17.24
पीडब्ल्यूओ(-)	25.95
कुल खुदरा अग्रिम (पीडब्ल्यूओ रहित)	17.19

यह वृद्धि, विविध ग्राहक केंद्रित वित्तीय समाधानों को प्रदान करने के हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाती है जिससे हमारे ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं जैसे आवास और शिक्षा से लेकर वैयक्तिक और मोर्टगेज ऋणों की पूर्ति करते हैं. वैयक्तिक ऋणों की उत्कृष्ट वृद्धि पर प्रकाश डालना आवश्यक है जहां वर्ष दर वर्ष 91.54% की संतोषजनक वृद्धि और मार्च, 2022 के सापेक्ष रु.23429 करोड़ की समग्र खुदरा वृद्धि देखी गई है. हमारे प्रभाव को बढ़ाने के लिए रिटेल लोन प्वाईंटों (आरएलपी) के ज़रिए वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत भर में रु 32375 करोड़ की खुदरा ऋणों की मंज़ूरी की हैं. यह संख्या न केवल आपके बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य की मज़बूती का संकेत देता है बल्कि हमारी कार्यनीतिक प्राथमिकताओं और ग्राहक केंद्रित सेवा मॉडल दृष्टिकोण को प्रमाणित करता है.

एक सक्रिय ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाकर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, ग्राहकों को सशक्त करने, समृद्ध भविष्य उत्प्रेरित करने और आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है. हमारे खुदरा ऋण विभाग, एक लचीला वित्तीय परिस्थिति तंत्र बनाने की ओर निरंतर प्रयासरत है जो सबके लिए सुलभ, समावेशी और लाभप्रद हो.

दूरदर्शी संस्था के रूप में हमने भी अपनी सेवाओं की दक्षता और पहुंच में सुधार के लिए कई नई पहल शुरू की है. इसमें शिक्षा ऋणों हेतु विशेषीकृत योजनाओं की शुरुआत शामिल हैं तथा अन्यों में समर्पित शिक्षा ऋण अधिकारियों की नियुक्ति, यूनियन सुरक्षा वैयक्तिक ऋण की शुरुआत, शिक्षा का डिजिटलीकरण और वाहन ऋण यात्रा शामिल हैं.

उपयुक्त उत्पाद:

वृद्धि एवं समावेशपूर्ण वर्ष

हमारे आगे की कार्यनीतिपरक पथ, अभिनिर्धारित एस्पिरेशनल जिलाओं में बाजार शेयर और कारोबार को बढ़ाने पर आधारित है. क्रेडिट हामीदारी अंकन के सुधार करते हुए रिटेल लोन प्वाईंटों (आरएलपी) को व्यवस्थित करना, भावी ग्राहक आधार और एचएनआई को बढ़ाने के लिए विशेष कक्षों को बनाना और संवर्धित सेवा सुपुर्दगी हेतु डिजिटल दक्षताओं का फायदा उठाना जारी रखना.

उद्यम

पहल	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	तात्विक परिप्रेक्ष्य
उद्यम ऋण	9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	23, 24, 25

तेज़ी से उभरती हुई वैश्विक बाज़ार में आर्थिक इंजन को चलाने के लिए उद्यमों द्वारा प्रमुख भूमिका निभाई जाती है.

₹3,73,188 करोड़
31.03.2023 को कॉर्पोरेट और अन्य अग्रिम.

15.12%
मिड कॉर्पोरेट खातों हेतु वर्ष दर वर्ष वृद्धि

₹21,615 करोड़
वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान नए कारोबार प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया जिससे भावी वृद्धि हेतु संभावना और कॉर्पोरेट क्रेडिट के विस्तार को दर्शाया है.

संवहनीयता के उद्यमों को सशक्त बनाते हुए आपका बैंक सुदृढ़, लचीली अर्थव्यवस्था के लिए योगदान देते हुए नवाचार, डिजिटलीकरण और चैंपियन पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समर्थन करना जारी रखता है.

वित्त वर्ष 2022-23 को दौरान आपके बैंक ने अपने उद्यमी सेवाओं की निरंतरता और डिजिटलीकरण के संवर्धन हेतु विभिन्न उद्यमों की शुरुआत की है:

1. **डिजिटल ऋण आवेदन प्लेटफार्म:** एक नई डिजिटल पूर्व अनुमोदित वैयक्तिक ऋण प्लेटफार्म का व्योम के ज़रिए शुरुआत की गई है जिससे ऑनलाईन ऋण के लिए आवेदन देने हेतु उद्यमों को सहायता प्राप्त होती है और इससे कागज़ आधारित आवेदनों की आवश्यकता कम होती है. इस पहल से ऋण अनुमोदन प्रक्रिया शीघ्र हो जाती है और कागज़ी उपयोग को कम करते हुए हमारी पर्यावरण स्थिरता के प्रतिबद्धता की ओर योगदान देती है.
2. **हरित वित्तपोषण:** स्थिर कारोबार प्रथाओं को आगे ले जाने हेतु आपके बैंक ने पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं में निवेश करनेवाले या हरित तकनीकियों को स्वीकृत करनेवाले उद्यमों के लिए अनुकूल शर्तों की शुरुआत की हैं. इस पहल से स्थिर विकास को बढ़ावा मिलता है और जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभाव दूर होता है.
3. **फिनटेक साझेदारी:** आपके बैंक ने ग्राहकों के लिए शीघ्र ऋण आवेदन, डिजिटल भुगतान समाधान और ऑनलाईन खाता प्रबंधन जैसे विकसित डिजिटल समाधान प्रदान करने हेतु विभिन्न फिनटेक कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी की है.
4. **उद्यमी सेवाओं का डिजिटलीकरण:** ग्राहक अनुभवों के संवर्धन हेतु हमने विभिन्न सेवाओं का डिजिटलीकरण किया है जैसे

कि खाता खोलना और निधि अंतरण तथा अन्य में बीजक कटौती. अब उद्यमों द्वारा इन सेवाओं को 24*7 अपने कार्यालय की सुविधा में ही प्राप्त किया जा सकता है जिससे उनके समय की बचत और बैंकिंग लेन देनों के लागत की बचत होती है.

5. **साईबर सुरक्षा पहल:** इस डिजिटल युग में डाटा सुरक्षा सबसे ऊपर हैं. हमने यह सुनिश्चित करने के लिए मज़बूत साईबर सुरक्षा कार्रवाई में निवेश किया है ताकि हमारे उद्यमी ग्राहक अपने बैंकिंग लेनदेन सुरक्षित रूप से कर सकें.

6. **प्रशिक्षण और विकास:** हमने अपने उद्यमी ग्राहकों को नवीनतम डिजिटल बैंकिंग उपकरणों से परिचित कराने के लिए बहु संख्या में कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया है. इन सत्रों से सुनिश्चित किया गया कि उद्यमों द्वारा हमारे डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के संपूर्ण संभावना का फायदा उठाया जा सकता है.

जैसे कि हम वित्तीय वर्ष 2023-24 की ओर जा रहे हैं, हमारा लक्ष्य यही है कि उद्यम क्षेत्र में वृद्धि और संवहनीयता के लिए तकनीकी का अधिकतम लाभ उठाया जाना जारी रखें. हमारी प्रमुख कार्यनीतियों में हमारे ग्रीन वित्तीय संविभाग का विस्तार, उद्यमों के लिए अधिक डिजिटल सेवाएं बनाना, हमारे साईबर सुरक्षा ढ़ांचे को सशक्त करना और नवोन्मेषी बैंकिंग समाधानों को प्रदान करने के लिए फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी को बढ़ाना शामिल हैं.

हमारी यह भी योजना है कि अपने उद्यम ग्राहकों के लिए अधिक प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करें और सुनिश्चित करें कि डिजिटल बैंकिंग के लाभ के उपयोग करने हेतु उनको दक्षता प्राप्त हो.

डिजिटलीकरण की शक्ति को काम में लाने और सतत कारोबार प्रथाओं को बढ़ावा देने के द्वारा उद्यमों की वृद्धि और हमारी अर्थव्यवस्था के संवहनीयता के लिए योगदान, हमारा लक्ष्य है.

कृषि:

पहल	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	महत्वपूर्ण पहलू
कृषि ऋण	2 ZERO HUNGER 8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	13, 23, 24, 25, 39

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और ग्रामीण गरीबी को कम करने की महत्वपूर्ण भूमिका को अभिनिर्धारित करते हुए कृषि ऋण को प्राथमिकता देना जारी रखा है. 31 मार्च, 2023 को समग्र अग्रिमों में से हमारे कृषि अग्रिम 17.77% है जो कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की ओर हमारी अटल प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

हमें यह घोषित करते हुए गर्व हैं कि हमने मार्च 31, 2023 को 18.97% के कार्यनिष्पादन दर की प्राप्ति द्वारा 18% की सांविधिक कृषि प्राथमिकता लक्ष्य को पार किया है. इसके अतिरिक्त हमारे प्रभावी प्रबंधन को रेखांकित करते हुए पीएसएलसी - लघु और सीमांत कृषक के अंतर्गत रु.15450 करोड़ अधिशेष की सफल बिक्री की है और इस तरह क्षेत्र के लिए योगदान दिया है.

कृषि समृद्धि को पोषित करते हुए हमने निरंतर रूप से सांविधिक लक्ष्यों को पार किया है, कृषक समुदायों की वित्तीयता को सुदृढ़ किया है और ज़िम्मेदार ऋण प्रदान करने के ज़रिए आर्थिक विकास को त्वरित किया है.

उपयुक्त उत्पाद:

वृद्धि एवं समावेशपूर्ण वर्ष

2022-23 के वित्तीय वर्ष के दौरान हमने कृषि ऋण में वर्ष दर वर्ष 14.20% की मज़बूत वृद्धि देखी है जिससे 31 मार्च, 2023 को हमारे कुल बकाया रु.151993 करोड़ हो गया.

हम लघु और सीमांत कृषकों की ओर हमारी प्रतिबद्धता पर दृढ़ रहे और 31 मार्च, 2023 को रु. 95171 करोड़ के बकाया ऋण प्रदान किया जो एएनबीसी के 13.33 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है और 9.50 प्रतिशत के बेंचमार्क को पार करता है. उसी अवधि के दौरान हमने 4.11 लाख नए किसान क्रेडिट कार्डों को जारी किया जिसकी कुल राशि रु 6896.45 करोड़ है.

17.77%
समग्र अग्रिमों में कृषि का शेयर दिनांक 31.03.2023 को.

14.20%
वर्ष दर वर्ष वृद्धि कृषि उधार में

4.11 लाख
नए किसान क्रेडिट कार्ड वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान जारी

ये उपलब्धियां, कृषि समुदायों के बीच वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निरंतर प्रयास को प्रतिबिंबित करता है और यह हमारे ग्राहकों के वित्तीय स्वास्थ्य के संवर्धन करने की हमारी कार्यनीतिपरक प्राथमिकता के साथ मेल खाता है और समृद्ध भविष्य की ओर उत्प्रेरित करता है.

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई):

पहल	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	महत्वपूर्ण पहलू
एमएसएमई में उन्नति	8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH 9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE	जीआरआई 203:अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	13, 23, 24, 25, 39

किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि और विकास में सूक्ष्म , लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान हमने अपने कुल एमएसएमई अग्रिमों में 13.06% की उल्लेखनीय वृद्धि देखी है जो रु.1,10,517 करोड़ से रु 1,25,022 करोड़ के रूप में विस्तृत हुआ.

हमने यूनियन एमएसएमई सुविधा, यूनियन नारी शक्ति, यूनियन उपकरण वित्त, यूनियन आयुष्मान प्लस और यूनियन सोलर जैसे अभिनिर्धारित एमएसएमई योजनाओं के अंतर्गत हमारी सेवाओं के संवर्धन पर सावधानीपूर्वक कार्य किया जिससे इन योजनाओं में पर्याप्त ऋण मंज़ूरी देखी गई है. ऋण प्रस्तावों के मूल्यांकन और मंज़ूरी के लिए ज़िम्मेदार एमएसएमई लोन प्वाईंटों ने वर्ष के दौरान रु.35598 करोड़ की मंज़ूरी दर्ज की.

हमारे 'शाखा प्रबंधक प्रत्यायोजन अधिकार अभियान' के परिणामस्वरूप 166,234 ऋण खातों की मं. जूरी मिली, जिससे रु.4461 करोड़ की ऋण मूल्य लाना है. ऐसे सक्रिय पहलों की केंद्रीय कार्यालय कार्यपालकों द्वारा निगरानी करने के कारण एमएसएमई कारोबार में महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है.

उद्यमी भावना को बढ़ावा देने और डिजिटल अंतरण को स्वीकार करने से हमने एमएसएमई में मज़बूत वृद्धि को सुनिश्चित किया है, आर्थिक लचीलापन को सुदृढ़ किया और पर्यावरण स्थिरता का नेतृत्व किया.

एमएमएमई के प्रति हमारे समर्पण को ओर मज़बूत बनाने के लिए हमने 80 अतिरिक्त यूनियन एमएसएमई फस्ट शाखाओं (यूएमएफबी) की शुरुआत की जिससे कुल 105 शाखाएं हो गई और इसके ज़रिए रु.9000 करोड़ के एमएसएमई संविभाग का प्रबंधन होता है. इसके अतिरिक्त एक स्टार्ट अप केंद्रित शाखा की भी बेंगलूर में शुरुआत करने की योजना है. हमने ध्यान दिया है कि हमारे अनुमोदित क्लस्टर योजनाओं के अंतर्गत उपयोगिता में मज़बूत वृद्धि हुई है जो रु.2191 करोड़ से बढ़कर रु.10113 करोड़ बन गया है.

सेवा डिजिटलीकरण की ओर हमारे ध्यान ने "केंद्रीकृत गारंटी कक्ष " और क्रेडिट गारंटी प्रबंधन समाधान (सीजीएमएस) पोर्टल का सृजन किया है जिससे क्रेडिट गारंटी संबंधित प्रक्रियाओं को व्यवस्थित किया गया है. इस पहल ने हमारे बैंक को नए गारंटीकृत कवरेज के लिए सीजीटीएमएसई के एपीआई एकीकरण करनेवाले उद्योग के प्रथम बैंक बनने के लिए सहायता प्रदान की.

संवहनीयता कायम रखने के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. परवर्ती रूप में हमने अपने विपणन अधिकारियों और एमएलपी प्रमुखों को गहन ओरियंटेशन प्रदान किया और क्रेडिट मूल्यांकन और विपणन पर प्रशिक्षण दिया. यह प्रयास बेहतरीन कार्यान्वयन में योगदान देने के लिए उनको आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करता है.

हमने सामाजिक वृद्धि की ओर हमारी प्रतिबद्धता को पीएमईजीपी, पीएमएमवाई और पीएम स्वानिधि जैसे योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करते हुए निभाया है. इन प्रयासों के जरिए हमने बहुत से व्यक्तियों को उनकी उद्यमी सफर में सहायता की है जो आर्थिक वृद्धि की ओर हमारे समर्पण को दर्शाता है.

₹1,25,022 करोड़

वित्तीय वर्ष 2022-23 की समाप्ति पर कुल एमएसएमई अग्रिम, एमएसएमई के समर्थन में 13.06% की वर्ष दर वर्ष मज़बूत वृद्धि दर्शाता है.

166,234

"शाखा प्रबंधक प्रत्यायोजन अधिकार अभियान" के अंतर्गत मंज़ूर ऋण खातों की संख्या एमएसएमई के समर्थन की ओर आक्रामक ड्राईव को सूचित करता है जिससे रु.4461 करोड़ के ऋण प्रदान किए गए है.

₹10,113 करोड़

मार्च, 23 को अनुमोदित क्लस्टर योजनाओं के अंतर्गत उपयोगिता, पिछले वर्ष के रु.2191 करोड़ से ठोस वृद्धि दर्शाई है जो एमएसएमई के लिए क्लस्टर आधारित विकास कार्यनीतियों पर ध्यान देने की सूचना देते हैं.

ईएसजी पहलुओं की महत्ता को समझते हुए हमने डिजिटल रूप से ऋणों के आवेदन करने के लिए एमएसएमई ग्राहकों के लिए डिजिटल बैंकिंग समाधान की शुरुआत की है. स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) किशोर और तरुण मुद्रा ऋण, यूनियन नारी शक्ति और जीएसटी गेन जैसे उत्पाद अब डिजिटल रूप में उपलब्ध है जिससे उसकी पहुंच और उपयोगिता में सरलता आती है.

अंत में हमने सौर ऊर्जा संयंत्र के संस्थापन हेतु उधारकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु "यूनियन सोलर" की शुरुआत की है. गैर पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने का हमारे समर्पण के साथ अनुरूप है जिससे पर्यावरण स्थिरता के लिए भी योगदान मिलता है.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र

पहल	यूएनएसडीजी	जीआरआई मानक	महत्वपूर्ण पहलू
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम	1 NO POVERTY 10 REDUCED INEQUALITIES	जीआरआई 203: अप्रत्यक्ष आर्थिक प्रभाव	13, 23, 24, 25, 39

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समाज की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समर्पित है जिससे प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम मार्च 31, 2023 को रु.3,02,006 करोड़ तक पहुंचा है. हमने पीएसएलसी बिक्री को छोड़कर और आरआईडीएफ/ सिडबी/ मुद्रा / एनएचबी को शामिल करते हुए की पहली 2023 तिमाही हेतु समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) के 42.31% प्राप्त करके 40% के सांविधिक लक्ष्य को पार किया है.

उपयुक्त उत्पाद:

वृद्धि एवं समावेशपूर्ण वर्ष

तकनीकी और सामाजिक प्रतिबद्धता को अपनाते हुए हमने महिलाओं, अल्पसंख्यक समुदायों और कमज़ोर वर्गों को सशक्त बनाने का प्रयास किया और वित्तीय समावेशन को अपनाया और सभी के लिए स्थिर वृद्धि के लिए प्रयास किया.

सामाजिक उत्थान के प्रति हमारे ध्यान ने कमज़ोर और वंचित जैसे महिलाएं, अल्प संख्यक समुदाय और स्वयं सहायता समूह के प्रति ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमें प्रेरित किया.

1. **महिला लाभार्थी:** महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए, हमने मार्च 2022 के रु.89,110 करोड़ के सापेक्ष मार्च, 2023 के रु. 105,954 करोड़ के रूप में महिलाओं को ऋण दिया जिससे 18.90% की वृद्दि हुई.
2. **अल्पसंख्यक समुदाय:** हमने अल्प संख्यक समुदायों को ऋण प्रदान किया जो कि मार्च 31, 2023 को रु.28314 करोड़ तक पहुँच गया जो कि प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिम के 9.38% हैं.
3. **कमज़ोर वर्ग:** हमने कमज़ोर वर्ग के प्रति हमारे वित्तीय सहायता को रु.104,698 करोड़ से 31 मार्च 2023 को 13.30% वृद्धि के साथ रु.118,631 करोड़ के रूप में वर्धित किया.

हमारी पहल जैसे ग्रामीण स्व रोज़गार प्रशिक्षण संस्था (आरएसईटीआई) और चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक (सीजीजीबी) जैसे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) ग्रामीण विकास के प्रति हमारे प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं. मार्च, 2023 तक 308,494 उम्मीदवारों को आरसेटी में प्रशिक्षित किया गया है जिसमें 205,525 को सफलता पूर्वक नौकरी प्राप्त हुई है.

₹105,954 करोड़

ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए, वर्ष दर वर्ष में 18.90% की वृद्धि

₹118,631 करोड़

ऋण कमज़ोर वर्ग को दिए गए, वर्ष दर वर्ष में 13.30% की वृद्धि

₹28,314 करोड़

ऋण अल्प संख्यक समुदायों को दिए गए, हमारे प्राथमिकता प्राप्त अग्रिमों के 9.38%

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई), आत्म निर्भर भारत योजना जैसे सरकारी पहलों और नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं के साथ हमारा जुड़ाव और किसान क्रेडिट कार्ड के डिजिटलीकरण जैसे डिजिटल पहलों के साथ मिलकर, वित्तीय समावेशन और स्थिरता के लिए तकनीकी के उपयोग करने को हमारे दृढ़निश्चय को दर्शाता है.

वित्तीय वर्ष 2023 हेतु
वित्तीय समावेशन प्रतिभागिता:

संवहनीयता हेतु हमारी प्रतिबद्धता और डिजिटल युग को स्वीकार करने के साथ हमने पिछले वित्त वर्ष 2022-2023 के लिए प्रमुख कार्यनीतिक केंद्र के रूप में वित्तीय समावेशन को प्राथमिकता दी है.

प्रधानमंत्री जनधन योजना खातों (पीएमजेडीवाई) के 244.78 लाख से 280.00 लाख में उल्लेखनीय वृद्धि, हमारी प्रगति का प्रमाण है तथा संबद्ध खाता शेष में रु.7780 करोड़ से रु.9046 करोड़ की वृद्धि भी हुई है. यह समाज के सबसे वंचित वर्ग को भी वित्तीय रूप से सशक्त करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

इसके अतिरिक्त आधार, एक विशिष्ट पहचान प्रणाली को हमारे वित्तीय समावेशन में एकीकृत करने के हमारे कार्यनीतिक प्रयास कामयाब हुए जिससे आधार अंकित खातों की संख्या 204 लाख से बढ़कर 229 लाख हो गई. इसी तरह रूपे कार्ड जारी करने में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई जिससे हमारे ग्राहकों के लिए डिजिटल लेनदेनों में सहायता प्राप्त हुई.

हमारे बैंक संवाददाताओं (बीसी) के बुनियादी ढांचे में की गई उल्लेखनीय प्रगति अर्थात् 16948 से 17662 में संख्या में वर्धन से भी हमें गर्व है. हमारे बीसी, सुदूर क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अगले वित्त वर्ष तक इस संख्या को आगे 20000 तक बढ़ाने का हमारा लक्ष्य है.

डिजिटल तकनीकी का लाभ उठाते हुए हमारा लक्ष्य वित्तीय सशक्तिकरण की बाधाओं को दूर करना है, समाज के सबसे वंचित वर्गों तक पहुँचना है और वित्तीय समावेशन को सभी के लिए यथार्थ बनाना है.

280 लाख
प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खाता दिनांक 31 मार्च, 2023 को

17,000+
बैंक संवाददाताओं की संख्या दिनांक 31 मार्च, 2023 को

₹9,046 करोड़
पीएमजेडीवाई खातों के कुल शेष दिनांक 31 मार्च, 2023 को

वित्त वर्ष 2022-23 में हमने एक नए पहल की शुरुआत की- बीसी प्वाईंटों में नई पेंशन योजना (एनपीएस) का नामांकन. इस विकास ने हमारे वित्तीय समावेशन प्रयासों को विस्तृत किया है और देश के सुदूर स्थानों में रहने वाले व्यक्तियों तक सेवानिवृत्ति बचत पहुँचाने हेतु हमें सक्षम बनाना है.

इसके अतिरिक्त हमने अपने बीसी की निगरानी और प्रभावशीलता को बढ़ाते हुए डिजिटल टेक्नोलॉजी का लाभ उठाते हेतु बीसी निगरानी मोबाईल एप्प की शुरुआत की है. यह एप्प बीसी परिचालनों को सुव्यवस्थित करते हैं, निवारक सतर्कता उपाय के रूप में कार्य करते हैं और बीसी प्वाईंटों की अनियमितताओं के संबंध में जल्द चेतावनी देने में सहायता करते हैं.

आगामी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए हम आस्ति और देयता उत्पादों के लीड जनरेशन हेतु बीसी को जन समर्थ पोर्टल और जो भी हो सीआरएम एप्लिकेशन के साथ जोड़ने के लिए प्रतिबद्धत हैं. इसके अतिरिक्त हमारा लक्ष्य, वास्तविक काल में पीएमजेडीवाई, एपीवाई, पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई खाते खोलना है.